संस्कृत

एम0ए0 पूर्वार्द्ध

100 अक

प्रथम प्रश्नपत्र–वेद, निरुक्त एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

1. ऋग्वेद

(1) उषस् 3/61 (2) वरूण 7/86 (3) इन्द्र 2/15

(4) सूर्य 1/115 (5) अश्विनौ 7/71 (6) नासदीय 10/29

(7) नदी 3/33 (8) अक्ष 10/84

1. हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या सायणाचार्य भाष्यपूर्वक	30 अंक
2. निरुक्त प्रथम अध्याय–हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	20 अंक
3. सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
4. वैदिक साहित्य का इतिहास	20 अंक
5. वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

<u>सहायक ग्रन्थ</u>–

1. ऋक्–सूक्त–मण्डल – लखनऊ प्रकाशन लखनऊ
2. ऋक्–सूक्त संग्रह – साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ
3. ऋग्वेद भारती – डा0 के0के0 त्रिपाठी–कानपुर पब्लिशिंग हाउस
4. वेद भारती – डा0 शिवबालक द्विवेदी–ग्रन्थम् कानपुर
5. निरुक्त – सं0 उमाशंकर शर्मा ऋषि–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
6. निरुक्त – डा0 कपिलदेव – साहित्य भण्डार मेरठ
7. संस्कृत वाडमय का वृहद इतिहास प्रथम तथा द्वितीय खण्ड–प्रो0 बलदेव उपाध्याय–उ0प्र0 संस्कृत संस्थान लखनऊ।
8. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति का समीक्षात्मक इतिहास–प्रो ओम् प्रकाश पाण्डेय–न्यू एज पब्लिकेशन दरियागंज, नई दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न पत्र– व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

100 अंक

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – वरदरराज (तिड.न्त प्ररकण)

निम्नलिखित धातुएं

– भू, पा, श्रु, गम्, हु अद्, दिव् इष् रूध्, तन्, कृ चुर्

(क) रूप सिद्धि	20 अक
(ख) सूत्रों की व्याख्या	20 अंक
(ग) धातु रूपों के वाक्य प्रयोग	5 अंक
(घ) अशुद्ध पदों का शुद्धिकरण	5 अंक

2. <u>भाषा विज्ञान</u>– अंक 40

भाषा की परिभाषा, भाषा की उपयोगिता एवं महत्व भाषा विज्ञान एवं व्याकरण का संबंध, भाषा में परिवर्तन एवं कारण, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ विज्ञान एवं ध्वनिविज्ञान संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक स्वरूप

3. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय प्रश्न– 10 अंक

संदर्भित ग्रन्थ

1. संस्कृत भाषा–टी0 बरो हिन्दी अनुवाद–चौखम्बा वाराणसी
2. भाषा विज्ञान–डा0 भोलानाथ तिवारी–किताब महल इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान–डा0 बाबूराम सक्सेना–हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
4. संस्कृत भाषा विज्ञान–डा0 शिवबालक द्विवेदी–ग्रन्थम कानपुर
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी–धरानन्द शास्त्री–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डा0 महेश सिंह कुशवाहा–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

तृतीय प्रश्नपत्र–काव्य एवं नाटक–

100 अंक

1. मेघदूतम्–कालिदास (पूर्वमेघ) हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	20 अंक
2. उत्तररामचरितम्–भवभूति हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	30 अंक
3. दशकुमारचरित्म–दण्डी (पूर्वपीठिका) हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	20 अंक
4. उपरिलिखित पुस्तकों से समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
5. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

<u>सहायक ग्रन्थ–</u>

1. मेघदूतम्–चन्द्रकला टीकोपेतः चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. मेघदूम–मल्लिनाथ की टीका– चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
3. कालिदास ग्रन्थावली– डा0 सीताराम चतुर्वेदी–उ0प्र0 संस्कृत संस्थान लखनऊ।
4. उत्तररामचरितम् – महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
5. दशकुमारचरितम् – दण्डी चौखम्बा विद्या प्रकाशन वारणसी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास–प्रो0 बलदेव उपाध्याय–शारदा निकेतन वाराणसी
7. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास।

   (चतुर्थ खण्ड) स0 प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी–उ0प्र0 संस्कृत संस्थान लखनऊ।
8. History of classical Sanskrit Literature-Krishnamachariar Varanasi
9. भवभूति के नाटक मध्य प्रदेश हिन्दी संस्थान भोपाल।
10. कालिदास के कार्यों में भौगोलिक स्थलों का प्रत्यभिज्ञान–डा0 कैलाशनाथ द्विवेदी, साहित्य निकेतम, कानपुर।

चतुर्थ प्रश्नपत्र–भारतीय दर्शन

100 अंक

1.	सांख्यकारिका–ईश्वरकृष्ण	25 अंक
2.	वेदान्तसार–सदानन्द	25 अंक
3.	तर्कभाषा–केशव मिश्र (प्रमाणमीमांसा पर्यन्त)	25 अंक
4.	उपर्युक्त दर्शनों पर समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
5.	वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय	10 अंक

सहायक ग्रन्थ–

1. सांख्यकारिका–ईश्वरकृष्ण टीका विमला कनार्टक–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
2. सांख्कारिका–डा0 के0के0 त्रिपाठी–कानपुर पब्लिशिंग हाउस, कानपुर
3. वेदान्तसार–सदानन्द–चौखम्बा वाराणसी
4. वेदान्तसार–डा0 के00के0 त्रिपाठी–कानपुर पबिलिशिंग हाउस कानपुर
5. तर्कभाषा–केशव मिश्र–श्रीनिवास शास्त्री–चौखम्बा प्रकाशन वाराणासी
6. तर्क भाषा–विश्वेश्वर–चौखम्बा प्रकाशन वाणारसी
7. भारतीय दर्शन – वाचस्पति गैरोला–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
8. भारतीय दर्शन का इतिहास– उदयवीर शास्त्री–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
9. सर्वदर्शन संग्रह – उमाशंकर ऋषि–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
10. भारतीय दर्शन– नन्दकिशोर देवराज–उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ

एम0ए0 प्रथम वर्ष

पंचमँ प्रश्न पत्र

आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

अंक–100

(1980 से 2010 पर्यन्त)

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य का परिचय– 40

प्रमुख महाकाव्य– जानकी ज़ीवनम् (प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र), वामनावतरणम् (प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र), बलदेव चरितम् (श्री निवाससरथ)

खण्डकाव्यः– मृगांकदूतम्(प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र), कापिशायिनी (प्रो0 जगन्नाथ पाठक), रार्त्रिगमिष्यति (डॉ0 रामशंकर अवस्थी)

गीतिकाव्यः– पिपासा (प्रो0 जगन्नाथ पाठक), यामिनी यास्यति (डॉ0 राम शंकर अवस्थी), गुन्जनमन्जीरम् (प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल)

2. कथा तथा उपन्यास का परिचयात्मक अध्ययनः– 20

कथाः– इक्षुगन्धा (प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र), तरंगिणी(राम शंकर अवस्थी) कथा कौमुदी (प्रो0 प्रभुनाथ द्विवेदी)

उपन्यासः– ताण्डवम्(प्रो0 राधा बल्लम त्रिपाठी), पद्मिनी (डॉ0 मोहनलाल शर्मा पाण्डेय), वज्रमणि(प्रो0 राम सुमेर यादव)

3. आधुनिक संस्कृत कवियों का व्यक्तित्व तथा कर्तृत्व– 20

प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, श्रीनिवासरथ, प्रो0 जगन्नाथ पाठक, डॉ0 राम शंकर अवस्थी, प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल, प्रो0 मोहनलाल शर्मा पाण्डेय, डॉ0 शिव बालक द्विवेदी, प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 हर्ष देव माधव।

4. वस्तुनिष्ठ तथा लघुत्तरीय प्रश्न– 20

उपर्युक्त आधुनिक संस्कृत साहित्य पर वस्तुनिष्ठ तथा लघुत्तरीय प्रश्न।

उपर्युक्त आधुनिक संस्कृत कवियों पर वस्तुनिष्ठ तथा लघुत्तरीय प्रश्न।

सहायक ग्रन्थः–

1. संस्कृत साहित्य–बीसवी शती– डॉ0 राधा बल्लम त्रिपाठी
   प्रकाश्न– राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जनकपुरी (नई दिल्ली)
2. संस्कृत साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा– डॉ0 रेखा शुक्ला
   प्रतिभा प्रकाशन नई दिल्ली
3. अद्यतन संस्कृत कविता संग्रह– डॉ0 दीपक कुमार पाठक, युवराज प्रकाशन आगरा।
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास– डॉ0 दीपक कुमार पाठक, डॉ0 प्रीति सीरौटिया, युवराज प्रकाशन आगरा।
5. आधुनिक संस्कृत साहित्य– प्रो0 राधाबल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य का वृहद् इतिहास–(सप्तमखण्ड) डा0 बलदेव उपाध्याय
   प्रकाशन– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

संस्कृत

एम0ए0 उत्तरार्द्ध

(1) एम0ए0 उत्तरार्द्ध में पांच प्रश्नपत्र होंगे। (2) प्रथम प्रश्न पत्र तथा मौखिकी सभी वर्गों के लिए अनिवार्य होगा। (3) शेष तीन प्रश्न पत्र चयनित वर्ग से लेने होंगे। (4) 100 अंकों की मौखिकी होगी। (5) अपने चयनित वर्ग में से किसी भी एक प्रश्न पत्र के विकल्प में संस्थागत विद्यार्थी लघु शोध–प्रबन्ध ले सकता है।

(क) साहित्य वर्ग

प्रथम प्रश्नपत्र–व्याकरण तथा निबन्ध	100 अंक
1. कारक (सिद्धान्त कौमुदी) भट्टोजिदीक्षित सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि।	25 अंक
2. कृदन्त तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय (लघु सिद्धान्त कौमुदी–वरदरराज रूपसिद्धि)	25 अंक
3. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय प्रश्न	20 अंक
4. निबन्ध (संस्कृत में)	30 अंक

सहायक ग्रन्थ–

1. सिद्धान्तकौमुदी–भट्टोजि दीक्षित (भैमी टीका)–चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस वाराणसी।
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी–धरानन्द शास्त्री–चौखम्बा वाराणसी।
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी–डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. निबन्ध चन्द्रिका–ग्रन्थम् कानपुर
5. निबन्धरत्नाकर
6. संस्कृत निबन्ध नवीनतम्–डा0 कपिल देव द्विवेदी–विश्वभारती अनुसंधान ज्ञानपुर।

द्वितीय प्रश्न पत्र : काव्यशास्त्र

100 अंक

1. काव्य प्रकाश–मम्मट (1 से 5 उल्लास व्याख्या, 1 से 8 उल्लास प्रश्न) तथा 9–10 उल्लास–भेद रहित अलंकार	50 अंक
2. ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत (आनन्दवर्धन) व्याख्या	20 अंक
3. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 अंक

सहायक ग्रन्थ–

1. काव्य प्रकाश – मम्मटाचार्य विश्वेश्वर की टीका–ज्ञान मण्डल लिमिटेड वाराणसी।
2. काव्य प्रकाश – टीका डॉ0 सत्यव्रत सिंह – चौखम्बा वाराणसी।
3. ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धनाचार्य लोचन टीका – मोती लाल बनारासी दास वाराणसी।
4. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास– पी0वी0 काणे हिन्दी अनुवाद–मोती लाल बनारसी दास, वाराणसी।
5. History of Sanskrti Poetics – S.K. Dey – Motilal Banarasi Dass, Varanasi

तृतीय प्रश्न पत्र : नाटक एवं नाट्यशास्त्र

1. मृच्छकटिकम्–शूद्रक हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	30 अंक
2. रत्नावली–हर्षवर्धन हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	20 अंक
3. दशरूपक–धनंजय हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	30 अंक
4. समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
5. वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र–संदर्भित ग्रन्थ

1. मृच्छकटिकम् शूद्रक सं0 डा0 रमाशंकर त्रिपाठी–मोती लाल बनारसीदास वाराणसी।
2. मृच्छकटिकम्–डा0 के0के0 त्रिपाठी–कानपुर पब्लिशिंग हाउस, कानपुर।
3. महाकवि शूद्रक–डा0 रमाशंकर त्रिपाठी–चौखम्बा वाराणसी।
4. दशरूपक–श्री निवास शास्त्री सं0 – रतिराम शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ।
5. दशरूपक–धनंजय (धनिक वृत्ति) चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
6. Sanskrit Drama & Dramaturgy – T.G. Mainkar Ajanta Publication, Delhi.
7. नाट्य शास्त्र–रघुवंश, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
8. हिन्दी नाट्य शास्त्र– बाबूराम शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
9. भारतीय नाट्य शास्त्र की परम्परा और दशरूपक–हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. रत्नावली नाटिका प्रकाश व्याख्योपेतः चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस वाराणसी।
11. रत्नावली नाटिका मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास प्रकाशन–नई दिल्ली।
12. रत्नावली नाटिका– श्री रामचन्द्र मिश्र चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन दिल्ली।

चतुर्थ प्रश्न – काव्य एवं गद्य

100 अंक

1. नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या प्रथम सर्ग	25 अंक
2. जानकी जीवनम् (1 से 30 श्लोक) प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।	25 अंक
3. कादम्बरी कथामुखम (हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या)	30 अंक
4. समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
5. वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय	10 अंक

<u>सन्दर्भित ग्रन्थ</u>

1. नैषधीयचरितम् – श्री हर्ष – संजीवनी टीका – चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
2. नौषधीयचरितम् – श्री हर्ष – डा0 सुरेन्द्र देव शास्त्री–चौखम्बा ओरियन्टलिया वाराणसी।
3. जानकी जीवनम् प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र–महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा।
4. कादम्बरी – बाणभट्ट – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
5. कादम्बरी कथामुखम – प्रो0राजेन्द्र मिश्र – भारतीय प्रकाशन चौक कानपुर
6. नैषधीय परिशीलनम् – चण्डिका प्रसाद शुक्ल – इलाहाबाद।
7. संस्कृत वाड.मय का बृहद् इतिहास – उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ (चतुर्थ एवं सप्तम खण्ड)
8. बाणभट्ट – डा0 विजय लक्ष्मी त्रिवेदी – कानपुर

वर्ग (ख) वेद

द्वितीय प्रश्न पत्र – ऋग्वेद संहिता, प्रतिशाख्य तथा व्याकरण 100 अंक

1. ऋग्वेद 60 अंक

(1) विश्वेदेवा 7/35 (2) सविता 1/35 (3) विष्णु 1/154

(4) रूद्र 2/33 (5) पर्जन्य 5/83 (6) पूषा 6/54

(7) माण्डूक्य 7/103 (8) ज्ञानम् 10/71 (9) श्रद्धा 10/151

(10) संगठन सूक्त 10/190–191 (11) इन्द्र बृहस्पति 7/97 (12) पुरूरवा उर्वशी 10/95

उपर्युक्त सूक्तों का सायण भाष्य के आधार पर व्याख्यात्मक तथा समीक्षात्मक अध्ययन।

2. वैदिक व्याकरण – ऋक् प्रतिशाख्य (केवल प्रथम द्वितीय पटल) 20 अंक

3. सायण – ऋग्वेद भाष्य भूमिका 20 अंक

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. A vedic grammar for students by A.A. Macdonell-motilal Banarasi Dass, Delhi.
2. Sayana's Introduction of Rygveda (Eng. Translation) Peterson.
3. Rygveda Bhashya Bhumica with Hindi Commentary by Jagannath Pathak.
4. ऋग्वेद प्रतिशाख्य – डा0 बृज बिहारी चौबे – होशियारपुर
5. ऋक प्रातिशाख्य – डा0 वीरेन्द्र वर्मा – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

29/10/2018

तृतीय प्रश्न पत्र

वैदिक साहित्य का परिचयात्मक इतिहास एवं अथर्ववेद 100 अंक

1. संहिता – ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, प्रमुख शाखाएं वर्ण्य विषय तथा प्रमुख भाष्यकार। 20 अंक

2. ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद ब्राह्मण का अर्थ प्रमुख ब्राह्मण ग्रन्थ एवं ब्राह्मण ग्रन्थो का महत्व एवं वर्ण्य विषय। आरण्यक का अर्थ, प्रमुख आरण्यक ग्रन्थ, आरण्यकों का महत्व एवं वर्ण्य विषय, उपनिषद् शब्द का अर्थ, प्रमुख उपनिषद्, उपनिषदों का महत्व, उपनिषदों में वर्णित विषय ।

3. अथर्ववेद सूक्त– 60 अंक

मेधाजननम् 1/1	अपां भेषजम् 1/5	परम धाम (ब्रह्मआत्मा) 2/1
दीर्घायुः प्राप्ति 3/2	राज्ञः संवश्यम् 3/4	कृषि : 3/17
साम्मनस्य 3/30	ब्रह्मगवी 5/18	ब्रहचारि सूक्त 11/5
सूर्या सूक्त 14/11/16		

उपर्युक्त सूक्तों का सायणाचार्य के भाष्य के आधार पर विस्तृत अध्ययन

<u>सन्दर्भित ग्रन्थ–</u>

1. History of Indian Literature Vol. 1 M. Winternitz Motilal Banarsidass Publication Delhi.
2. Hymns of Atharv Veda by M. Bloomfield-Motilal Banarsidass, Delhi
3. अथर्ववेद संहिता (सुबोध भाष्य) सातवलेकर–स्वाध्याय मण्डल पारडी।
4. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति का समीक्षात्मक इतिहास–प्रो ओम् प्रकाश पाण्डेय न्यू एज पब्लिकेशन दरियागंज, नई दिल्ली।
5. अथर्ववेद का सांस्कृतिक अध्ययन डा0 कपिल देव द्विवेदी विश्वभारती संस्थान ज्ञानपुर।
6. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)–प्रो0 बलदेव उपाध्याय–उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र – ब्राह्मण एवं वेदाङ्ग साहित्य

100 अंक

1. ऐतरेय ब्राह्मण – प्रथम पञ्चिका
2. पारस्कर गृहासूत्र – प्रथम काण्ड 20 अंक
3. निरुक्त – द्वितीय तथा सप्तम अध्याय 20 अंक
4. कात्यायन श्रौत सूत्र – प्रथम अध्याय मात्र 20 अंक
5. समीक्षात्मक प्रश्न– 20 अंक

संदर्भित ग्रन्थ–

1. निरुक्त – विश्वेश्वर – चौखम्बा विद्या भवन प्रकाशन वाराणसी।
2. निरुक्त – उमाशंकर ऋषि – चौखम्बा वाराणसी
3. निरुक्त कपिलदेव – साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ
4. ऐतरेय ब्राह्मण – सायणभाष्य – तारा प्रिन्टिंग प्रेस वाराणसी।
5. कात्यायन श्रौत सूत्र– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
6. पारस्कर गृह्यसूत्र–प्रो0 ओम प्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा प्रेस वाराणसी।
7. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड)–प्रो0 बलदेव उपाध्याय उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

वर्ग 'ग' दर्शन

द्वितीय प्रश्न पत्र – सांख्य एवं योग

	100 अंक
1. सांख्यकारिका (सांख्य तत्व कौमुदी सहित)	35 अंक
2. योगसूत्र (प्रथम पाद) व्यास भाष्य वैशारदी के आलोक में	35 अंक
3. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

सन्दर्भित गन्थ–

1. सांख्यकारिका (तत्वकौमुदी के परिप्रेक्ष्य में) अर्थबोधिनी हिन्दी व्याख्या– डा0 प्रेमा अवस्थी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. योग सूत्र डा0 सुरेश चन्द्र अवस्थी (टीका) चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
3. सांख्य दर्शन की ऐतिहासक परम्परा–डा0 आद्या प्रसाद मिश्र, सत्य प्रकाशन बलरामपुर हाउस इलाहाबाद।
4. योग दर्शन – डा0 विमला कर्नाटक चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

तृतीय प्रश्न पत्र – न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

100 अंक

1. न्यायसूत्र एवं न्याय भाष्य प्रथम अध्याय	35 अंक
2. प्रशस्तपाद भाष्य ↕ (प्रथम अध्याय)	35 अंक
3. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय	10 अंक

सन्दर्भित गन्थ–

1. न्याय सूत्र एवं न्यायभाष्य – प्रथम अध्याय – आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री विनिर्मित प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या चौखम्बा संस्कृत संस्थान गोपाल मंदिर लेन वाराणसी।
2. प्रशस्तपादभाष्य–श्री दुर्गाधर झा कृत हिन्दी व्याख्या।
3. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा ओरियन्टल प्रकाशन वाराणसी।
4. भारतीय दर्शन – डा0 जगदीश चन्द्र मिश्र चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

चतुर्थ प्रश्न पत्र

पूर्वमीमांसा, उत्तरमीमांसा एवं अवैदिक दर्शन 100 अंक

1. अर्थ संग्रह – लौगाक्षिभास्कर	25 अंक
2. ब्रह्मसूत्र – शाड.करभाष्य चतुःसूत्री	25 अंक
3. अवैदिक दर्शनों (जैन, बौद्ध चार्वाक का परिचयात्मक ज्ञान)	20 अंक
4. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
5. वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

सन्दर्भित गन्थ–

1. वैदिक वाड्.मय का वृहद् इतिहास – प्रधान सं0 बलदेव उपाध्याय–उ0प्र0 संस्कृत संस्थानम् लखनऊ (दशम तथा द्वादश खण्ड) वेदान्त एवं जैन बौद्ध तथा चारबाग दर्शन।
2. सर्वदर्शन संग्रह – डा0 उमाशंकर शर्मा ऋषि – चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
3. अर्थसंग्रह – अर्थबोधिनी व्याख्या युतः – डा0 दयाशंकर शास्त्री चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. ब्रह्मसूत्र शाड.कर भाष्य चतुःसूत्री हिन्दी व्याख्या आचार्य विश्वेश्वर चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
5. मीमांसा दर्शन का विवेचनात्मक इतिहास – डा0 गजानन शास्त्री मुसलगांवकर चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।